Class Notes

Class: आठवीं	**Topic:** बाज और साँप **Date:**30.01.21
Subject: वसंत भाग 3	

अतिरिक्त प्रश्न

प्रश्न.'बाज और साँप' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

उत्तर- बाज और साँप कहानी में लेखक ने कहा है कि वही मानव चतुर है, जो प्राणों की बाजी लगाकर जीवन के प्रत्येक खतरे का वीरता से सामना करता है। लहरें भी उसी साहसी व्यक्ति के लिए गीत गाती हैं, जो अपनी जान की परवाह न करते हुए दूसरों के लिए मर मिटते हैं। इस प्रकार की भावना ही देशभक्ति को जन्म देती है। अतः लेखक ने कहानी के माध्यम से वीरता, पराक्रम,बलिदान, त्याग एवं साहस भरा उद्देश्य प्रकट करना चाहा है, जिससे देश उन्नति के पथ पर चल सके।

प्रश्न.कहानी में लेखक ने 'बाज और साँप' को किसका प्रतीक माना है?

उत्तर-कहानी में लेखक ने 'बाज' को विस्तृत और साँप को संकीर्ण मानसिकता का स्वामी माना है। यहाँ बाज सकारात्मक सोच रखने वाले उन व्यक्तियों का प्रतीक है, जो स्वयं पर विश्वास करते हैं। वे अपने कर्मों के अनुसार अपने भाग्य को बदलने की चाह रखते हैं।जीवन में वे सदा आगे बढ़ने के लिए दूसरों को प्रेरणा देते हैं तथा दूसरों से प्रेरणा लेते हैं।

दूसरी तरफ 'साँप' इन सबसे एकदम विपरीत है। वह एक स्थान पर ही जमा रहना चाहता है। जीवन में नए प्रयोग करना उसे पसंद नहीं है। वह कर्म की अपेक्षा भाग्य पर अधिक विश्वास करता है। उसकी दुनिया उस मेंढक के समान है, जो कुएँ को ही अपना संसार समझता है।अतः कहानी द्वारा लेखक ने अलग-अलग मानसिकता वाले लोगों का परिचय करवाया है।

मूल्यपरक प्रश्न

प्रश्न. 'बाज और साँप' कहानी में लेखक ने सकारात्मक सोच पर बल दिया है। जीवन- मूल्यों के आधार पर बताइए कि सकारात्मक सोच किस प्रकार व्यक्ति के जीवन को बदल देती है?

उत्तर-सकारात्मक सोच व्यक्ति को संकीर्ण विचारधारा से बाहर निकालने का काम करती है। वह व्यक्ति के अंदर आत्मबल तथा साहस जगाने का प्रयत्न करती है। जीवन मूल्यों के आधार पर देखा जाए, तो साफ़ पता चलता है कि सकारात्मक सोच ही मानव के जीवन को सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करती है। उसे जीवन में गतिशीलता प्रदान करती है। साँप की बातें सुनकर जब बाज अपनी सोच को सकारात्मक करता है, तो उसे एक नया साहस मिलता है। वह उसी साहस के आधार पर पूरी ताकत से उड़ने का प्रयत्न करता है। अतः स्पष्ट है कि सकारात्मक सोच मानव को सही दिशा और दशा देने का काम करती है। यह दिशा उनके जीवन को सही मार्ग प्रदान करती है।

व्याकरण

वाच्य

ज़रा बताइए तो

प्रश्न 1 वाच्य किसे कहते हैं ?

उत्तर - लिंग, वचन और पुरुष के कारण क्रिया के रूप में जो परिवर्तन होता है,उसे वाच्य कहते हैं । इसके द्वारा इस बात का बोध होता है कि वाक्य में कर्ता, कर्म या भाव में से किसकी प्रधानता है ।

प्रश्न 2 वाच्य के भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

उत्तर - 1.श्याम पत्र लिखता है ।

2.श्याम के द्वारा पत्र लिखा जाता है ।

3.श्याम से लिखा नहीं जाता ।

पहले वाक्य में कर्ता श्याम के लिंग,वचन और पुरुष के अनुसार क्रिया है ।अतः यहाँ कर्तृवाच्य है ।

दूसरे वाक्य में कर्म मुख्य है क्योंकि कर्म पत्र के लिंग, वचन और पुरुष के अनुसार क्रिया प्रयुक्त की गई है । अतः यहाँ कर्मवाच्य है ।

तीसरे वाक्य में अकर्मक क्रिया का भाव मुख्य है क्योंकि यहाँ क्रिया भाव के अनुसार परिवर्तित हुई है ।

आइए, अब लिखें

प्रश्न 1 निम्नलिखित वाक्यों के उचित वाच्य - भेद लिखिए :

(क) दादी से बैठा नहीं जाता -- भाववाच्य

(ख) धोबी कपड़े धोता है -- कर्तृवाच्य

(ग) सभी से दौड़ा जाएगा -- भाववाच्य

(घ) बच्चों द्वारा पतंगें उड़ाई जाएँगी -- कर्मवाच्य

(ड.) लेखक लिखता है -- कर्तृवाच्य

(च) महात्मा बुद्ध ने शांति का पाठ पढ़ाया -- कर्तृवाच्य

(छ) उससे सरदियों में नहाया नहीं जा सकता -- भाववाच्य

(ज) घोड़ा दौड़ता है -- कर्तृवाच्य

प्रश्न 2 निम्नलिखित वाक्यों को कर्मवाच्य में बदलिए :

(क) रोहन कंप्यूटर पर शतरंज खेल रहा है।

उ. रोहन के द्वारा कंप्यूटर पर शतरंज खेला जा रहा है ।

(ख) आकाश पत्र लिखता है ।

उ. आकाश के द्वारा पत्र लिखा जाता है ।

(ग) चाँदनी ने गुड़िया खरीदी ।

उ. चाँदनी के द्वारा गुड़िया खरीदी गई ।

(घ) बालक ने फूल तोड़े ।

उ. बालक के द्वारा फूल तोड़े गए ।

(ड.) सुरेंद्र ने पुस्तक पढ़ी ।

उ. सुरेंद्र के द्वारा पुस्तक पढ़ी गई ।

(च) अमित पतंग उड़ा रहा है ।

उ. अमित के द्वारा पतंग उड़ाई जा रही है ।

उपरोक्त पठन सामग्री घर में रहकर तैयार की गई है।